

गोवा विश्वविद्यालय
शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला
हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-603

पाठ्यक्रम का शीर्षक: साहित्य : विचार एवं दर्शन

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	भारतीय-पाश्चात्य मनीषियों एवं चिंतकों के वैचारिक तथा दार्शनिक मान्यताओं का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।	घंटे
उद्देश्य	<ul style="list-style-type: none">● दर्शन की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत कराना।● साहित्य के विश्लेषण में सहायक, भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित कराना।● हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन परंपरा के प्रभाव को स्पष्ट कराना।● आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के विचारों से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	1. दर्शन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व	06
	2. भारतीय दर्शन <ul style="list-style-type: none">● षड्दर्शन: सांख्य दर्शन, योग दर्शन, न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, मीमांसा दर्शन, वेदांत दर्शन● प्रतिनिधि दर्शन: बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, चार्वाक दर्शन	18
	3. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन <ul style="list-style-type: none">● मार्क्सवाद● मनोविश्लेषणवाद● अस्तित्ववाद	18

	<p>4. आधुनिक भारतीय दार्शनिक</p> <ul style="list-style-type: none"> ● महात्मा गांधी ● भीमराव आंबेडकर ● राममनोहर लोहिया ● सावित्रीबाई फुले 	18
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, वाद-विवाद, संवाद, स्वाध्याय, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	<ol style="list-style-type: none"> 1) उपाध्याय, बलदेव. भारतीय दर्शन की रूपरेखा. चौखंभा ओरियंटालिया, 1979. 2) कोसंबी, धर्मानंद. बुद्ध : जीवन और दर्शन. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1982. 3) गैरोला, वाचस्पति. भारतीय दर्शन. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1966. 4) नंदा, बलराम (अनुवाद : गुप्त, वीरेंद्रकुमार). गांधी और उनके आलोचक. सारांश प्रकाशन, प्रा. लि., दिल्ली, 1997. 5) बनकर, कुं. शांताबाई रघुनाथराव, शिंदे, विश्वनाथ, कुंभोजकर, श्रद्धा. समाजभूषण कै. सौ. सावित्रीबाई जोतीराव फुले यांचे अल्प चरित्र. इतिहास विभाग और महात्मा जोतीराव फुले अध्यासन, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, 2021. 6) बर्न्स, एमिल (अनुवादक : संगल, ओमप्रकाश). मार्क्सवाद क्या है. पीपल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008. 7) मून, वसंत (अनुवाद: पांडेय, प्रशांत). डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर. नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 1991. 8) राधाकृष्णन, डॉ. सर्वपल्ली. उपनिषदों का संदेश. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 1997. 9) राधाकृष्णन, डॉ. सर्वपल्ली. गौतम बुद्ध-जीवन दर्शन. मंजुल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1899. 10) राधाकृष्णन, डॉ. सर्वपल्ली. भारतीय दर्शन भाग 1. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 2012. 	

	<p>11) राधाकृष्णन, डॉ० सर्वपल्ली. भारतीय दर्शन भाग 2. राजपाल एंड संस, दिल्ली, 2013.</p> <p>12) रुबिचेक, पॉल (अनुवादक: माचवे, डॉ० प्रभाकर). अस्तित्ववाद: पक्ष और विपक्ष. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1973.</p> <p>13) लिमये, मधु. डॉ० आंबेडकर: एक चिंतन. मुंबई रचना प्रकाशन, मुंबई, 1986.</p> <p>14) लोहिया, राममनोहर. समाजवाद. प्रेस्टीज पब्लिकेशन, पुणे, 1993.</p> <p>15) वुल्फ़, लेनी (अनुवाद: मिश्र, विश्वनाथ). क्रांति का विज्ञान. परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ, 2003.</p> <p>16) शंकर, शोभा. आधुनिक भारतीय समाजवादी चिंतन. साहित्य भवन प्रा० लि०, इलाहाबाद, 1980.</p> <p>17) शर्मा, हरवंश. भारतीय दर्शन परंपरा और आदिग्रंथ. ज्ञान प्रकाशन, नई दिल्ली, 1972.</p> <p>18) शाही, योगेंद्र. अस्तित्ववाद : किर्केगार्ड से कामू तक. मैकमिलन कंपनी ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली, 1978.</p> <p>19) शिशिर, कर्मेदु. राधामोहन गोकुल समग्र. अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा० लि०, नई दिल्ली, 2009.</p> <p>20) सांकृत्यायन, राहुल. दर्शन दिग्दर्शन. किताब महल, नई दिल्ली, 1994.</p> <p>21) सांकृत्यायन, राहुल. बुद्धिजम: द मार्क्सिस्ट अप्रोच. पीपल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1970.</p>	
<p>अधिगम परिणाम</p>	<ul style="list-style-type: none"> ● दर्शन की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे। ● भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी। ● पाश्चात्य दार्शनिकों के मतों से अवगत होंगे। ● आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के विचारों से अवगत होंगे। 	